Product	1990-91	1991-92	1992-93
5. Di-Ammonium Phosphate	47.69	49.31	21.51†
6. Single Super Phosphate and Rock Phosphate . .	45.02	45.22	22.05†
7. Complexes	33.78	41.05	21.21†
8. Muriate of Potash	16.49	19.01	9.78†
9. Sulphate of Potash	0.35	0.28	..
In nutrient terms			
N	85.47	90.95	84.83
P	36.46	38.84	18.09
K	13.76	16.10	8.07
TOTAL	135.69	145.89	110.99

*Taken out of statutory price control with effect from 25-7-1991

@Brought under statutory price control with effect from 25-8-1992.

†Taken out of statutory price control with effect from 25-8-1992

Therefore, allocation made only for Kharif 1992.

Natural Manure

3315. SHRI KAMAL MORARKA: Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) what is the estimated quantity of waste-products which could be utilised as manure;

(b) out of the above, the estimated quantity presently being used as manure: and

(c) what are the plans contemplated by Government for encouraging large scale use of natural and organic manures?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF AGRICULTURE (SHRI ARVIND NELAM): (a) It is estimated that the potential availability of rural and urban compost is approximately 830 million Tonne and 21 Million Tonne respectively.

(b) Nearly 276.6 Million Tonne and 6.6 Million Tonne of compost is being used in rural and urban areas, respectively.

(c) State Governments are advised from time to time to make concerted efforts to tap all the conceivable manurial resources for production of organic manures .

उत्तर प्रदेश में मृदा एवं जल संरक्षण योजना

3316. श्री ईश दत्त यादव : क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि उत्तर प्रदेश में केन्द्रीय प्रायोजित एवं केन्द्रीय क्षेत्र की मृदा और जल संरक्षण योजनाएं कार्यान्वयाधीन हैं ; और

(ख) यदि हां, तो पिछले तीन वर्षों के दौरान इस प्रयोजन के लिए किए जा रहे कार्य का जिले-वार ब्यौरा क्या है ?

कृषि मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री अरविंद नेताम) : (क) और (ख) जी, हां। उत्तर प्रदेश में मृदा और जल संरक्षण को निम्नलिखित केन्द्रीय प्रायोजित/केन्द्रीय क्षेत्र की योजनायें चल रही हैं।

(1) नदी घाटी परियोजना के स्रवण क्षेत्र में मृदा संरक्षण ;

(2) बाढ़ प्रवण नदियों के स्रवण क्षेत्रों में समेकित पनधारा प्रबंध :

(3) क्षारीय मृदा का सुधार ;

(4) वर्षा सिंचित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना ;

(5) सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम ;

(6) समेकित वानिकी और पारिस्थितिकी विकास परियोजना ; और

(7) राज्य भूमि उपयोग बोर्डों का सुदृढ़ीकरण।

पिछले तीन वर्षों के दौरान की प्रगति का विवरण संलग्न किया गया है।

विवरण

पिछले तीन वर्षों के दौरान उत्तर प्रदेश में मृदा और जल संरक्षण को केन्द्रीय प्रायोजित/केन्द्रीय क्षेत्र योजनाओं की प्रगति

योजना	कवर किये गये जिले (संख्या)	प्रगति	
		वित्तीय (लाख रु० में)	वास्तविक (क्षेत्र हैक्टे० में)
1. नदी घाटी परियोजना	5	2561.58	84430
2. बाढ़ प्रवण नदियां	23	1787.37	67870
3. क्षारीय मृदा का सुधार	36	236.07	31210
4. वर्षा सिंचित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा विकास परियोजना	34	3055.49	—
5. सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम	17	3609.95	74323
6. समेकित वानिकी और पारिस्थितिकी विकास परियोजना	8	1041.63	—
7. राज्य भूमि उपयोग बोर्डों का सुदृढ़ीकरण	सारा राज्य	30.50	—

जिलों की सूची

जिला	नदी घाटी परियोजना	बाढ़ प्रवण नदियां	क्षारीय मृदा का सुधार	वर्षा सिंचित क्षेत्रों के लिए राष्ट्रीय पनधारा	सूखा प्रवण क्षेत्र कार्यक्रम	समेकित वानिकी और पारिस्थिति की विकास परियोजना
1	2	3	4	5	6	7
1. कानपुर देहात		*	*	*		
2. इलाहाबाद		*	*	*	*	
3. मैनपुरी			*			
4. राय बरेली		*	*			
5. एटा			*			
6. फरूखाबाद			*			
7. उन्नाव		*	*			
8. अलीगढ़			*			
9. सुल्तानपुर		*	*	*		
10. इटावा		*	*	*		
11. फतेहपुर			*	*		
12. हरदोई		*	*			
13. बुलंदशहर			*			
14. आजमगढ़		*	*			
15. मऊ			*			
16. प्रतापगढ़		*	*			
17. जौनपुर		*	*	*		
18. मुरादाबाद			*			
19. फैजाबाद		*	*			
20. लखनऊ		*	*			
21. बदायूं			*	*		
22. आगरा			*	*		
23. बाराबंकी		*	*	*		
24. लखीमपुर खेरी	*	*	*	*	*	
25. वाराणसी		*	*			
26. शाहजंहापुर	*	*	*	*		
27. बलिया			*			

1	2	3	4	5	6	7
28. गाजियाबाद			–			
29. सीतापुर		–	–	–	–	
30. मुजफ्फरनगर			–			
31. बरेली			–			
32. मेरठ			–			
33. गाजीपुर		–	–			
34. मथुरा				–		
35. गोरखपुर			–			
36. सहारनपुर		–	–	–		
37. उत्तरकाशी		–		–		–
38. टेहरी गढ़वाल		–		–	–	–
39. देहरादून		–		–	–	
40. नैनीताल	–			–		–
41. अल्मोड़ा	–	–		–	–	–
42. जालौन				–	–	–
43. झांसी				–	–	
44. ललितपुर	–			–	–	
45. हमीरपुर				–	–	
46. बांदा				–	–	
47. सोनभद्रा				–	–	
48. मिर्जापुर		–		–	–	
49. बस्ती				–	–	
50. सिद्धार्थ नगर			–			
51. महाराजगंज				–		
52. देवरिया				–		
53. गोंडा				–	–	
54. बहराइच				–	–	
55. पिथौरागढ़				–	–	
56. चमौली	–			–	–	–
57. पौड़ी गढ़वाल	–	–		–	–	
58. पीलीभीत		–				
कुल	5	23	36	34	17	8

– योजना जिलों में कार्यान्वित की जा रही है ।